ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़

Postal Regd. No.:MNW/308/2019-21

वर्ष : ०५ | अंक : २५ | मुंबई, शुक्रवार, २४ मई से ३० मई २०१९ | RNI No. : MAHHIN/2014/59999 | पृष्ठ : ४ | मूल्य : २/- रुपये

लोकसभा चुनाव नतीजे २०१९: न जाति, न गठबंधन, मोदी मैजिक कर गया काम

आसिफ खान

नई दिल्ली : लोकसभा चुनावों के नतीजों ने इसबार गठबंधन की राजनीति को पीछे धकेल दिया है। यूपी, बिहार महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में जहां विपक्षी दल गठबंधन कर बीजेपी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे थे, वे सभी समीकरण नतीजों में पीएम नरेंद्र मोदी के करिश्मे के आगे धाराशायी हो गए। न गठबंधन चला और न जाति का दांव। सबपर मोदी भारी दिखे। आइए जानते हैं आखिर वो कौन से कारण रहे जिसके कारण बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने जोरदार वापसी की....

मजबूत नेता की छवि

पीएम नरेंद्र मोदी की मजबूत नेता की छवि ने पूरे देश में उनको सर्वामान्य नेता के रूप में पेश किया। नोटबंदी, जीएसटी और आतंकवाद के खिलाफ उनके कड़े फैसले से देश में उनकी छवि एक मजबूत नेता की बनी। विपक्ष मोदी के सामने असहाय नजर आने लगा। नतीजों में मोदी की मजबूत छवि का भी रहा बड़ा योगदान।

जाति टूटी, काम बोला

यूपी, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विपक्षी दलों का गठबंधन बुरी तरह असफल रहा। जाति के नाम पर किए गए गठबंधन को इन राज्यों में तवज्जों नहीं मिला। जनता ने केंद्र सरकार की योजनाओं के पक्ष में जमकर वोट किया। इन सभी राज्यों में जाति का बंधन टूट गया।

राष्ट्रवाद का नारा

चुनावों में पीएम मोदी ने राष्ट्रवाद का नारा दिया था। लगभग भी चुनावी रैली में पीएम मोदी ने राष्ट्रवाद का मुद्दा उठाया। आतंकियों के खिलाफ उनकी सरकार के कड़े कदम का जिक्र किया। जनता में पीएम मोदी की ये अपील काम कर गई और लोकसभा चुनाव में बीजेपी २०१४ के प्रदर्शन से भी आगे निकल गई।

बालाकोट एयर स्ट्राइक का असर

पुलवामा आतंकी हमले के बाद वायुसेना द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में भारतीय वायुसेना की एयर स्ट्राइक ने देश में पीएम मोदी की छवि को और मजबूत किया। जिस तरह से भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर जैश के आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त किया उससे देश में पीएम नरेंद्र मोदी की आतंक के खिलाफ ऐक्शन की खूब सराहना की गई। चुनावों के दौरान पीएम मोदी ने इस हमले को खूब बनाया और मजबूत सरकार के जरिए विपक्ष पर निशाना साधा।

ब्रैंड मोदी

लोकसभा चुनाव २०१९ में पीएम नरेंद्र मोदी का अपनी पार्टी और गठबंधन के लिए ब्रैंड के तौर पर उभरे। न केवल बीजेपी के लिए बल्कि एनडीए के लिए पीएम मोदी ने जमकर वोट मांगे। एनडीए गठबंधन में शामिल सभी ३६ दलों ने पीएम के नाम को खूब भुनाया। यहां तक कि कई सीटों पर एनडीए प्रत्याशी पीएम मोदी के नाम पर वोट मांगते नजर आए।

जनहित योजनाओं का फायदा

केंद्रीय योजनाओं आयुष्माम भारत, उज्ज्वला, किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत के तहत शौचालयों का निर्माण जैसी योजनाओं ने जमीनी स्तर पर बीजेपी के पक्ष में वोटरों के एनडीए के पक्ष में करने में बड़ी सफलता पाई। इन योजनाओं का जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन और इसमें भ्रष्टाचार न होना भी एनडीए के पक्ष में गया। पीएम मोदी ने भी अपने चुनाव प्रचार में केंद्र की इन योजनाओं का खूब जिक्र किया था। चुनाव परिणाम में बीजेपी को इसका खूब फायदा मिलता दिखा।

हर राज्य के लिए अलग समीकरण

बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में हर राज्य के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई थी। यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक के अलावा ओडिशा में बीजेपी अलग-अलग रणनीति के साथ उतरी। बंगाल में बीजेपी की रणनीति बेहद कारगर रही और राज्य में पार्टी ने ममता बनर्जी के किले में सेंध लगाने में सफलता पाई। इसके अलावा यूपी और बिहार में एनडीए ने गठबंधन को बड़े अंतर से मात देने में सफल रहा। महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना गठबंधन ने भारी जीत दर्ज की।

सहयोगियों को तवज्जो

२०१४ चुनावों के बाद इस चुनाव में भी बीजेपी ने अपने सहयोगियों को पूरा तवज्जो दिया। महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ पुराने मतभेद भुलाकर पार्टी लोकसभा चुनाव में उसके साथ लड़ी। इसके अलावा बिहार में जदयू को अपनी जीती हुई सीटें तक तक दे दी। बिहार और महाराष्ट्र में बीजेपी को इसका लाभ मिला। इसके अलावा बीजेपी ने पूर्वी भारत में कई दलों के साथ गठबंधन कर जीत सुनिश्चित की।

यूपी और बंगाल की तैयारी पहले से शुरू

उत्तर प्रदेश में एसपी और बीएसपी के गठबंधन की सुगबुगाहट शुरू होने से पहले ही बीजेपी ने राज्य में ५०ट वोटों के लिए कोशिश शुरू कर दी थी। बीजेपी को पहले से ही ये अंदाजा था कि यूपी में एसपी-बीएसपी गठबंधन कर सकती है। पार्टी ने राज्य में केंद्र की जनहित योजनाओं का पूरा प्रचार किया और ये कोशिश की कि उसका लाभ सभी को मिले। पार्टी की यह रणनीति काम कर गई। पश्चिम बंगाल के लिए बीजेपी ने २०१७ में ओडिशा के बाद से ही तैयारी शुरू कर दी थी। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की तैयारी काम कर गई और पार्टी ने ममता के गढ़ को हिला दिया।

विपक्ष विकल्पविहीन

पीएम नरेंद्र मोदी के सामने विपक्ष विकल्पहीन रहा। विपक्ष के पास पीएम मोदी की टक्कर का कोई नेता नहीं था। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पीएम मोदी के सामने कमतर साबित हुए। इसके अलावा बंटा हुआ विपक्ष मोदी के सामने चुनौती नहीं बन पाया। विपक्ष में अंदरूनी टूट मोदी के सामने चुनौती ही पेश नहीं कर पाई।

राहुल की छवि मोदी के सामने कमजोर

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की छवि पीएम मोदी के सामने बेहद कमजोर साबित हुए। लोकसभा चुनाव शुरू होने के बाद हालांकि कांग्रेस राहुल गांधी को पीएम मोदी के टक्कर में खड़ा करने की कोशिश की लेकिन पीएम की भाषण शैली, लोगों के जुड़ने का तरीका के सामने राहुल कहीं टिक नहीं पाए।

राहुल गांधी ने ली लोकसभा चुनाव में शिकस्त की जिम्मेदारी, अमेठी में मानी हार, स्मृति को दी बधाई

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत करते हुए पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली है। यही नहीं नतीजे के ऐलान से पहले ही उन्होंने अपने परंपरागत गढ़ अमेठी में हार को स्वीकार करते हुए स्मृति इरानी को जीत की बधाई दी। राहुल गांधी ने कहा,

'यह दो विचारधाराओं की लड़ाई है। हम दो अलग-अलग सोच हैं, लेकिन यह मानना पड़ेगा कि इस इलेक्शन में नरेंद्र मोदी और बीजेपी जीते हैं। मैं उन्हें बहुत-बहुत बधाई देता हूं।'

इसके साथ ही राहुल गांधी ने नतीजों को लेकर किसी तरह का सवाल उठाने से इनकार करते हुए कहा, 'मैं देश के लोगों के निर्णय पर किसी तरह का सवाल नहीं उठाना चाहता और मैं जनादेश का पूरा सम्मान करता हूं' बेरोजगारी और इकॉनमी जैसे मुद्दों को तरजीह देने को गलती के सवाल पर राहुल ने कहा कि आज मैं यह नहीं कहना चाहता हूं। यह इस बात का समय नहीं है।

लोकसभा चुनाव में करारी हार मिलती देख उर्मिला मातोंडकर का चढ़ा पारा, ट्वीट कर उतार दिया गुस्सा सारा

जाफर शेख

मुंबई : लोकसभा चुनाव २०१९ के रुझान को देखते हुए उर्मिला मातोंडकर की हार तय मानी जा रही है ।

उर्मिला भाजपा प्रत्याशी गोपाल शेट्टी से २.५० लाख से ज्यादा वोटों से पीछे चल रही हैं । अपनी हार को देखते हुए उर्मिला मातोंडकर ने ईवीएम मशीन में गड़बड़ी का आरोप लगाया है । इतना ही नहीं उर्मिला ने इस बारे में चुनाव आयोग के सामने शिकायत दर्ज कराई है । इस बात की जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी है । उन्होंने लिखा, 'मगाथाणे के ईवीएम १७सी के फॉर्म के सिग्नेचर और मशीन के नंबरों में फर्क है। चुनाव आयोग से इस संबंध में शिकायत की गई है।'

उर्मिला चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हुईं । उन्हें कांग्रेस ने नॉर्थ मुंबई की सीट से चुनाव लड़ने के लिए टिकट दी । वहीं बीजेपी ने गोपाल शेट्टी को इस सीट से उतारा था। उर्मिला ने जोर-शोर से चुनाव प्रचार किया । घर-घर जाकर लोगों से मिलीं।

६ अप्रैल को उर्मिला मातोंडकर ने गुड़ी पड़वा पर्व भी मनाया था । इस दौरान वो लोगों से वोट मांगती भी दिखी थीं। उन्होंने मुंबई की सड़कों पर लावणी डांस किया था।

बता दें कि २००४ में एक्टर गोविंदा ने कांग्रेस के टिकट पर इस सीट पर अपना कब्जा जमाया था। २००९ में इस सीट से संजय निरूपम सांसद बने । साल २०१४ में ये सीट कांग्रेस के हाथ से निकल गई । अब इस सीट को बीजेपी का गढ़ माना जाता है।

हार के डर से विपक्ष EVM और EC पर लगा रहा आरोप - चिराग पासवान

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले EVM एवं VVPAT के मुद्दे पर विपक्षी दलों के नेताओं के चुनाव आयोग से मुलाकात को लेकर लोजपा नेता चिराग पासवान ने कहा..अब विपक्ष हार रहा है इसलिए EVM और EC पर आरोप लगा रहा। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले ईवीएम एवं वीवीपैट के मुद्दे पर कांग्रेस, एसपी, बीएसपी, तृणमूल कांग्रेस सहित २२ विपक्षी दलों के नेताओं ने मंगलवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की। विपक्ष ने EC से मांग की कि २३ मई को मतगणना शुरू होने से पहले बिना किसी क्रम के चुने गए पोलिंग स्टेशनों की वीवीपैट पर्चियों की जांच की मांग की। विपक्षी दलों ने कहा है कि अगर किसी एक बूथ पर भी वीवीपैट पर्चियों का मिलान सही नहीं पाया जाता तो संबंधित विधानसभा क्षेत्र में सभी मतदान केंद्रों की वीवीपीएटी पर्चियों की गिनती की जाए और इसकी EVM रिजल्ट्स से तुलना की जाए। वहीं इस मामले पर लोजपा नेता चिराग पासवान ने कहा कि अब विपक्ष हार रहा है इसलिए EVM को दोष देंगे और EC के भी चक्कर काटेंगे।

२०१९ का चुनाव सुनामी जैसा था: राम विलास पासवान

शाईस्ता शेख

लोकसभा चुनाव के नतीजों के एलान के पहले मंगलवार को सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने एकजुटता दिखाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भरोसा जाहिर किया है. एनडीए नेताओं ने दावा किया कि २०१९ का चुनाव 'सुनामी जैसा था और एनडीए को एक्ज़िट पोल के अनुमान से भी ज़्यादा सीटें मिलेंगीं.'एनडीए में शामिल दलों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और चुनाव आयोग पर सवाल उठाने के लिए विपक्ष को आड़े हाथों लिया. आम चुनाव के दौरान कांग्रेस और दूसरे विपक्ष दल लगातार चुनाव आयोग पर सवाल उठाते रहे थे. देश के २१ विपक्षी दलों के नेताओं ने ईवीएम के मुद्दे पर मंगलवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की थी. एनडीए नेताओं की मंगलवार को दिल्ली में हुई बैठक के बाद केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि एनडीए ने संकल्प लिया है कि वो 'देश की प्रगति को और बढ़ाएगा'.बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने कहा, '२०१९ का लोकसभा चुनाव इतिहास में एक निर्णायक क्षण है. देश की जनता को ये भी विश्वास है कि अब नामुमकिन भी मुमकिन है. पिछले पांच साल लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने वाले थे. अब एनडीए ने ये संकल्प लिया कि प्रगति की गति को और बढ़ाएंगे और आगामी पांच वर्ष की जो हमारी सरकार होगी, उसमें लोगों की आवश्यकता को पूरा करेंगे.' राजनाथ सिंह के मुताबिक बैठक में ३६ दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे. तीन दलों ने लिखित में अपना समर्थन दिया. बैठक में हिस्सा लेने के लिए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड नेता नीतीश कुमार दिल्ली आए थे.

संपादकीय

आखिर नाम में ही तो बहुत कुछ रखा है

इन दिनों कई दलित संगठन, उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा उसके आधिकारिक अभिलेखों में भीमराव अंबेडकर के नाम में 'रामजी' शब्द जोड़े जाने का विरोध कर रहे हैं। यह सही है कि संविधान सभा की मसविदा समिति के अध्यक्ष बतौर, अंबेडकर ने संविधान की प्रति पर अपने हस्ताक्षर, भीमराव रामजी अंबेडकर के रूप में किए थे। परंतु सामान्यतः, उनके नाम में रामजी शब्द शामिल नहीं किया जाता है। तकनीकी दृष्टि से उत्तरदेश सरकार के इस निर्णय को चुनौती नहीं दी जा सकती परंतु यह कहना भी गलत नहीं होगा कि यह निर्णय, अंबेडकर को 'अपना' घोषित करने की हिन्दुत्ववादी राजनीति का हिस्सा है। बीजेपी के लिए भगवान राम, तारणहार हैं। उनके नाम का इस्तेमाल कर बीजेपी ने समाज को धार्मिक आधार पर ध्रुवीकृत किया - फिर चाहे वह राम मंदिर का मुद्दा हो, रामसेतु का या रामनवमी की पूर्व संध्या पर जानबूझकर भड़काई गई हिंसा का। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से हम भारत में दो विरोधाभासी प्रवृत्तियों का उभार देख रहे हैं। एक ओर दलितों के विरूद्ध अत्याचार बढ़ रहे हैं तो दूसरी ओर, अंबेडकर की जंयतियां जोर-शोर से मनाई जा रही हैं और हिन्दू राष्ट्रवादी अनवरत अंबेडकर का स्तुतिगान कर रहे हैं।

इस सरकार के पिछले लगभग चार वर्षों के कार्यकाल में हमने दलितों के दमन के कई उदाहरण देखे। आईआईटी मद्रास में पेरियार स्टडी सर्किल पर प्रतिबंध लगाया गया, रोहित वेम्यूला की संस्थागत हत्या हुई और ऊना में दलितों पर घोर अत्याचार किए गए। मई २०१७ में, जब योगी आदित्यनाथ उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बन चुके थे, सहारनपुर में हुई हिंसा में बड़ी संख्या में दलितों के घर जला दिए गए। दलित नेता चंद्रशेखर रावण, जमानत मिलने के बाद भी जेल में हैं, क्योंकि उन पर आरोप है कि उन्होंने हिंसा भड़काई। दलितों के घरों को आग के हवाले करने की घटना, बीजेपी सांसद के नेतृत्व में निकाले गए जुलूस के बाद हुई जिसमें ''यूपी में रहना है तो योगी-योगी कहना होगा'' व ''जय श्रीराम'' के नारे लगाए जा रहे थे। महाराष्ट्र के भीमा कोरेगांव में दलितों के खिलाफ हिंसा भड़काई गई और जैसा कि दलित नेता प्रकाश अंबेडकर ने कहा है, हिंसा भड़काने वालों के मुख्य कर्ताधर्ता भिड़े गुरूजी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। बीजेपी की केंद्र सरकार में मंत्री वी के सिंह ने सन् २०१६ में दलितों की तुलना कुत्तों से की थी और हाल में एक अन्य केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार हेगड़े ने भी ऐसा ही कहा। उत्तरप्रदेश के कुशीनगर में जब योगी आदित्यनाथ मुशहर जाति के लोगों से मिलने जा रहे थे, उसके पूर्व अधिकारियों ने दलितों को साबुन की बट्टियां और शैम्पू बांटे ताकि वे नहा-धोकर साफ-सुथरे लग सकें।

मोदी-योगी मार्का राजनीति की मूल नीतियों और चुनाव में अपना हित साधने की उसकी आतुरता के कारण यह सब हो रहा है। सच यह है कि मोदी-योगी और अंबेडकर के मूल्यों में मूलभूत अंतर हैं। अंबेडकर, भारतीय राष्ट्रवाद के हामी थे। वे जाति का उन्मूलन करना चाहते थे और उनकी यह मान्यता थी कि जाति और अछूत प्रथा की जड़ें हिन्दू धर्मग्रंथों में हैं। इन मूल्यों को नकारने के लिए अंबेडकर ने मनुस्मृति का दहन किया था। उन्होंने भारतीय संविधान का निर्माण किया, जो स्वाधीनता संग्राम के वैश्विक मूल्यों पर आधारित था। भारतीय संविधान के आधार थे समानता, बंधुत्व, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्य। दूसरी ओर थीं हिन्दू महासभा जैसी संस्थाएं, जिनकी नींव हिन्दू राजाओं और जमींदारों ने रखी थी और जो भारत को उसके 'गौरवशाली अतीत' में वापस ले जाने की बात करती थीं - उस अतीत में जब वर्ण और जाति को ईश्वरीय समझा और माना जाता था। हिन्दुत्ववादी राजनीति का अंतिम लक्ष्य आर्य नस्ल और ब्राम्हणवादी संस्कृति वाले हिन्दू राष्ट्र का निर्माण है।

लोकसभा चुनाव में बीजेपी की बड़ी जीत पर रजनीकांत

अभिषेक बच्चन, वरुण धवन, रितेश देशमुख समेत बॉलीवुड से पीएम नरेंद्र मोदी को बधाइयों का तांता

सुमन मौर्या

बॉलीवुड डेस्क, मुंबई: लोकसभा चुनाव २०१९ की घोषणा थोड़ी देर में हो जाएगी, लेकिन मतों की गणना से लगभग यह तय माना जा रहा है कि एक बार फिर से मोदी भारी बहुमत से जीतेंगे.नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बीजेपी और उसके एनडीए सहयोगियों को रुझानों के हिसाब से करीब ३४५ सीटों पर जीत मिलने जा रही है. इस जीत की लहर सोशल मीडिया पर पहले ही देखने को मिली रही है. सोशल मीडिया पर रिजल्ट के आधिकारिक ऐलान से पहले मोदी को चारों तरफ से लोकसभा चुनाव जीतने की बधाई मिल रही है, बॉलीवुड में भी इसका असर देखने को मिल रहा है.

अभिषेक बच्चन ने नरेंद्र मोदी के पुराने ट्वीट को रिट्वीट कर उनको बधाई दी है. वही वरुण धवन ने कहा कि आम जनता ने एक बार फिर से नरेंद्र मोदी को जितवाया है, इसके साथ ही उन्होंने नरेंद्र मोदी को उनकी टीम के साथ आगे काम करने की बधाई दी है.

कार में ये करते कैमरे में कैद हुए कार्तिक आर्यन और सारा अली खान

सलमान खान और कार्तिक आर्यन एक बार फिर से हॉलीडे मनाते हुए दिख रहे हैं. सोशल मीडिया इन दोनों की कुछ फोटो देखने को मिल रही है. इन फोटो पर दर्शकों ने जमकर मीम्स भी बनाए है. इन मीम्स में कार्तिक और सारा बेहद ही करीब नजर आ रहे हैं.पीछे से सारा के कार्तिक ने गले में हाथ डाल रखा है. इनकी फोटो सोशल मीडिया पर काफी पसंद की जा रही है. इससे पहले सारा बिना हेलमेट के कार्तिक के साथ नजर आईं थी. इस दौरान इनको दर्शकों ने हेलमेट न पहनने के चलते काफी ट्रोल भी किया था. बता दें कि सारा और कार्तिक फिल्म लव आज कल पार्ट २ फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं. जल्द ही ये फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी.सारा अली खान ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण शो में कहा था कि कार्तिक पर उनका क्रश है.

टीवी एक्टर अंश अरोड़ा के खिलाफ दर्ज हुई FIR, पुलिस ने कहा- सहानुभूति के लिए बोला झूठ

टीवी सीरियल कसम तेरे प्यार की के अभिनेता अंश अरोड़ा विवादों में हैं। गाज़ियाबाद के वैशाली इलाके के सेक्टर-५ स्थित शॉप्रिक्स मॉल में रविवार रात टीवी सीरियल कसम तेरे प्यार की के अभिनेता अंश अरोड़ा ने फायरिंग कर जमकर तोड़फोड़ की। इस मामले में स्टोर संचालक ने इंदिरापुरम थाने में अंश अरोड़ा समेत चार से पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ तोड़फोड़, हत्या के प्रयास, गाली गलौच, मारपीट, और अफरा तफरी का माहौल पैदा करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस कर रही मामले की जांच: इंदिरापुरम पुलिस ने एक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और इस मामले की जांच में जुट गई है। बातचीत के दौरान, सुप्रिटेंडेंट श्लोक कुमार ने बताया, '१२ मई की रात में अंश अरोड़ा और उनके ५-६ साथी जिन्होंने नकाब पहना हुआ था वे स्टोर में आए खूब तोड़-फोड़ की। उन्होंने फायरिंग की और हॉकी स्टिक से काफी कुछ स्टोर की चीज़ों को तोड़ा।

पुलिस ने कहा-अंश झूठबोल रहे: उन्हें पता था कि ये सब सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है और इसीलिए उन्होंने फुटेज की मांग रखी। जब फुटेज ना मिला तो वे और तिलमिला गए और स्टोर के मैनेजर तो धमकी देने लगे की अंश भाई के खिलाफ कोई रिपोर्ट नहीं लिखवाएगा।' वे आगे बताते हैं, 'फुटेज को हम एनालाइज कर रहे हैं और इस पूरे मामले की जांच चल रही है। जांच के बल पर लोगों को गिरफ्तार करेंगे।' श्लोक कुमार ने कहा कि अंश झूठ बोल रहा है। उनका कहना है, 'अंश जिस तरह का गाज़ियाबाद पुलिस के खिलाफ आरोप लगा रहा है कि उन्होंने उसे टॉर्चर किया या उसके साथ थर्ड डिग्री अपनाया वो बेबुनियाद है।

यहां तक कि जब वो अस्पताल में एडमिट हुआ तब भी उसने सही वजह नहीं बताई। वो लोगों की सहानुभूति पाने के लिए ये सब कह रहा है।'

दोबारा आ रहे हैं 'पीएम नरेंद्र मोदी', रिलीज हुआ ट्रेलर

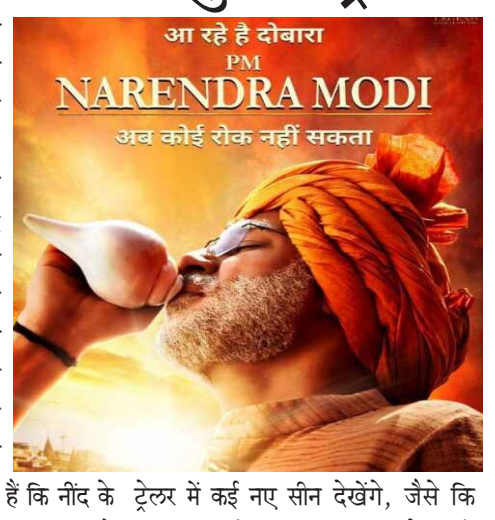

एक तरफ पीएम मोदी सुर्खियों में छाए हुए हैं. तो वहीं दूसरी तरफ विवेक ओबेरॉय की फिल्म 'पीएम नरेंद्र मोदी' सुर्खियां बटोर रही है. इस फिल्म का एक नया ट्रेलर रिलीज किया गया है. इसमें कुछ नए डायलॉग्स जोड़े गए हैं जो दर्शकों के सामने फिल्म की कुछ और झल्कियां पेश कर रहे हैं. नए डायलॉग्स की बात करें तो इनमें, 'आंखों में देश के लिए इतने सपने हैं कि नींद के लिए कोई जगह ही नहीं है', 'गुजरात में धंधा होने दूंगा, गुजरात का धंधा नहीं होने दूंगा' शामिल हैं. इस ट्रेलर में फिर एक बार कुछ ऐसा दिखाया गया है कि ये दोबारा चर्चा का विषय बन गई है. ट्रेलर की शुरुआत डायलॉग से होती है, 'भैया हम तो मेहनत करते हैं, जादू तो केंद्रीय सरकार करती है, देश की तिजोरी गायब, नौजवान के रोजगार गायब, कोयला गायब, बिजली गायब, यहां तक कि प्रधानमंत्री जी की आवाज भी गायब.' इसके अलावा आप ट्रेलर में कई नए सीन देखेंगे, जैसे कि साफ सफाई वाला सीन. इस ट्रेलर में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी भी नजर आएंगी. इस फिल्म का लंबे समय से प्रचार चल रहा था. ये ११ अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन चुनावी माहौल में विरोध के चलते फिल्म की रिलीज डेट अटक गई. अब ये फिल्म चुनावी नतीजे आने के बाद २४ मई को रिलीज होगी. हाल में बीजेपी नेता नितिन गडकरी ने फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया था.

Diabetes के मरीजों को लिवर कैंसर का खतरा अधिक

कहते हैं डायबीटीज, लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारी है जो गलत खानपान की वजह से होती है और एक बार डायबीटीज हो जाए उसके बाद कई और बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। अब तो ये बात इस नई स्टडी से साबित भी हो गई है। नई स्टडी में बताया गया है कि टाइप-२ डायबीटीज से पीड़ित मरीजों में लिवर से जुड़ी २ बीमारियों- लिवर सिरॉसिस और लिवर कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। बीएमसी मेडिसिन नाम के जर्नल में प्रकाशित इस स्टडी की मानें तो यूरोप के डायबीटिक मरीजों की जब लेटर स्टेज में जांच की गई तो उनमें लिवर से जुड़ी बीमारियों की वजह से मौत के आंकड़े काफी अधिक पाए गए। इस स्टडी में यूरोप के १ करोड़ ८० लाख वैसे लोगों को शामिल किया गया था जो टाइप २ डायबीटीज से पीड़ित थे। स्टडी में कहा गया है कि डायबीटीज से पीड़ित मरीजों को इस जानलेवा बीमारी से बचने के लिए अपनी सेहत पर लगातार नजर रखने की जरूरत है। नॉन ऐल्कॉहॉलिक फैटी लिवर डिजीज (NAFLD) पश्चिमी देशों के एक चौथाई लोगों को प्रभावित करता है और यह लिवर से जुड़ी दुनिया की सबसे कॉमन बीमारी है। लिवर की यह बीमारी मोटापा और टाइप २ डायबीटीज से बेहद क्लोजली जुड़ी हुई है। वैसे तो ''इथ्ऊ हानिकारक परिस्थिति नहीं है लेकिन हर ६ में से १ व्यक्ति में यह बीमारी गंभीर रूप ले लेती है जिससे लिवर इंजुरी, लिवर सिरॉसिक, लिवर फेलियर और यहां तक की लिवर कैंसर का भी खतरा रहता है। इस स्टडी के एक अनुसंधानकर्ता नवीद सत्तर ने कहा, 'डायबीटीज से पीड़ित मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों को बहुत सी चीजों की जांच करने और उनपर नजर रखने की जरूरत होती है जैसे- आंखें, किडनी, हार्ट रिस्क लेकिन इस स्टडी के नतीजे बताते हैं कि लिवर को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए वरना लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारियों का खतरा रहता है। साथ ही डायबीटीज से जुड़े मरीजों को ऐल्कॉहॉल का सेवन कम करने और वजन घटाने पर भी जोर देना चाहिए।'

ध्वनि भानुशाली का ये गाना बना भारत का मोस्ट लाइक्ड सिंगल, सुपरस्टार्स के ट्रेलर्स को भी

टी सीरीज़ अपने यूट्यूब चैनल के जरिए कई नए कलाकार और सिंगर्स लॉन्च कर रहा है। इन्हीं में से एक सिंगर हैं जिनके गानों ने यूट्यूब पर धूम मचा रखी है। इन सिंगर का नाम है ध्वनि भानुशाली। फिल्म सत्यमेव जयते के गाने दिलबर से मशहूर हुई ध्वनि ने अपने नए गाने वास्ते से सभी को बता दिया है कि वह कितनी उम्दा सिंगर हैं। इस हिट गाने वास्ते को मशहूर म्यूजिक कंपोज़र तनिष्क बागची ने बनाया है। ६ अप्रैल को टी सीरीज़ के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए वास्ते गाने के म्यूजिक वीडियो ने अभी तक २७ करोड़ व्यूज पा लिए हैं। लेकिन इससे बड़ा रिकॉर्ड इस गाने ने लाइक्स के मामले में बनाया है। इस गाने को यूट्यूब पर करीब ४० लाख लोग थम्स अप दे चुके हैं यानी लाइक कर चुके हैं। यूट्यूब पर लाइक्स का ये नया रिकॉर्ड है। इस नए रिकॉर्ड के बारे में तनिष्क बागची कहते हैं, 'यूट्यूब अपना हुनर दिखाने के लिए सबसे उम्दा प्लेटफॉर्म है। यहां हमें ऑडियंस का रेस्पॉन्स भी जल्द ही मिल जाता है। ध्वनि जैसी उम्दा सिंगर के साथ काम करके मैं भी बहुत खुश हूं। वास्ते एक ओरीजनल कंपोजीशन है और इसके इतने अच्छे रेस्पॉन्स को देख मैं बहुत उत्साहित हूं।'वास्ते सिंगल की इस कामयाबी पर टी सीरीज़ के एमडी भूषण कुमार भी काफी खुश हैं, वह कहते हैं, ' ध्वनि टी सीरीज़ की सबसे यंग आर्टिस्ट हैं जिसने इतनी जल्दी इतनी ऊंचाइयों

पति में ये ३ खूबियां चाहती हैं अजय देवगन की को-स्टार रकुल प्रीत

फिल्म दे दे प्यार दे सुर्खियां बटरोने वाली रकुल प्रीत अब अपनी अगली तमिल फिल्म ऊख के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं. तमिल सिनेमा में ये फिल्म रकुल के करियर का फैसला कर सकती है. हालांकि टॉलीवुड इंडस्ट्री में रकुल को कामयाबी मिली है.

जब रकुल से पूछा गया कि वो अपने पति में कौन सी ३ क्वालिटीज देखना चाहती हैं? इस पर रकुल ने बताया कि वो ऐसे लड़के से शादी करना चाहती हैं, जिसकी हाइट ६ फीट हो. रकुल ने कहा, 'मैं अपने पति को सर उठाकर देखना चाहती हूं. अगर मैं हील्स पहनूं, तब वो मुझसे लंबा होना चाहिए.'

दूसरी क्वालिटी बताते हुए रकुल ने कहा, 'लड़का अपनी लाइफ को लेकर पैशनेट होना चाहिए. जिंदगी में उसका कोई मकसद होना चाहिए. विजन होना चाहिए. चाहें वो कोई बड़ी शख्सियत ना हो, लेकिन अपनी जिंदगी में कुछ बड़ा करने की क्षमता रखता हो.' तीसरी क्वालिटी को लेकर रकुल ने कहा, 'रकुल को ऐसा लड़का चाहिए जो सच्चा हो. रकुल ने कहा, लड़के में अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर होना चाहिए. जो मेरी तरह हो और चिल रहे.'

रकुल ने ये भी बताया कि वो लंबे समय से सिंगल हैं. उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं नेशनल मीडिया को ये बता चुकी हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं अभी तक सिंगल क्यों हूं.'

रकुल ने NGK फिल्म में अपने रोल के बारे में जानकारी भी दी. उन्होंने बताया कि फिल्म में उनका काफी यूनिक रोल है. रकुल ने यह भी कहा कि स्क्रीनटाइम उनके लिए मायने नहीं रखता है, बल्कि फिल्म में किरदार अच्छा होना चाहिए, जिसका स्क्रिप्ट पर इंपेक्ट पड़े.

सिरदर्द से राहत दिलाने में मदद करेंगे योग के ये 5 आसन

अगर आप भी सिरदर्द या माइग्रेन की तकलीफ से गुजर रहे हों तो रोजाना कुछ मिनटों के लिए योग का अभ्यास करें। यह आपके शरीर को आगामी माइग्रेन अटैक से लड़ने के लिए तैयार होने में मदद करेगा। योग, सिरदर्द के के खिलाफ शरीर की रोग प्रतिरोध क्षमता को बेहतर बनाने का एक माध्यम है। हम आपको बता रहे हैं योग के उन आसनों के बारे में जिनसे आपको सिरदर्द या माइग्रेन में राहत मिल सकती है... सेतु बांधासन (सेतु मुद्रा)- यह आसन शरीर में रक्त संचार को नियंत्रित रखने में मदद करता है। सेतु बांधासन मन को शांत करने के साथ ही मस्तिष्क को आराम देता है और व्यग्रता को कम करता है। इसके अलावा इस आसन को करते समय रक्त मस्तिष्क की ओर बढ़ता है और दर्द से राहत दिलाने में मदद करता है।

बालासन- बेहद उपयुक्त माना जाने वाला बाल मुद्रा आसन एक महान स्ट्रेस बस्टर है। इस आसन के दौरान आपके कूल्हों, जांघों, एड़ियों में हलका सा खिंचाव महसूस होगा और यह आसन मन को शांत और तनाव और थकान से छुटकारा दिलाएगा। बाल मुद्रा आसन तंत्रिका तंत्र को भी शांत करता है व प्रभावी रूप से दर्द को कम करता है।

मर्जरियासन (बिल्ली की मुद्रा)- मर्जरियासन रक्त संचार को सुधारता है। मन को शांत करता है। तनाव को दूर भगाता है और श्वसन को बेहतर बनाता है।

संक्षिप्त न्युज

पश्चिम रेलवे ने किया ७१८ बच्चों को रेस्क्यू

मुंबई: रेलवे स्टेशनों पर घर से भागकर आने वाले बच्चों या भटकते हुए बच्चों को बचाया जाता है। पश्चिम रेलवे पर वर्ष २०१८-१९ के दौरान कुल ७१८ बच्चों को रेस्क्यू किया है। चालू वित्तीय वर्ष २०१९-२० के दौरान १ अप्रैल से २० मई २०१९ तक ६६ बच्चों को रेस्क्यू किया जा चुका है।

आरपीएफ ने लौटाया यात्री का खोया हुआ सामान

मुंबई: आरपीएफ तुर्भे ने एक यात्री का खोया हुआ बैग लौटाया है, जिसमें ५९ हजार रुपये का सामान था। महिला यात्री गौरी सावंत पनवेल-ठाणे ट्रेन में अपना सामान भूल गई थी। उसने आरपीएफ की हेल्पलाइन १८२ पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद रात २२:३६ बजे तुर्भे आरपीएफ ने बैग का पता लगा लिया। सामान्य कार्रवाई के बाद गौरी को उनका सामान लौटा दिया गया।

भगत की कोठी तक ही जाएगी सूर्यनगरी

मुंबई: जोधपुर मुख्य स्टेशन पर काम जारी रहने के कारण अब २५ मई तक मुंबई से जाने वाली सूर्यनगरी एक्सप्रेस की आवाजाही भगत की कोठी स्टेशन से ही होगी। इससे पहले काम १९ मई को पूरा होना था।

भाईंदर में रिक्शा चोरी

भाईंदर: पुलिस ने ४० हजार रुपये के ऑटो रिक्शा चोरी का मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता राजेश गुप्ता (४३) भाईंदर (पूर्व) का निवासी है। रोज की तरह राजेश ने को स्वामी नारायण मंदिर के पास रिक्शा पार्क किया था, लेकिन सुबह रिक्शा वहां नहीं था।

भायखला में आग

मुंबई: बुधवार की शाम एक बार फिर मुंबई में आग लगने की घटना सामने आई। भायखला इलाके में लगी आग में ३० वर्षीय एक महिला २० प्रतिशत तक जल गई। उसे बीमएसी के कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती किया गया है। बीएमसी आपदा प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, पतरा चॉल नंबर-५ में शाम के ४ बज कर १० मिनट के आस-पास आग लगी थी। खबर मिलते ही मौके पर फायरकर्मियों को रवाना कर दिया गया।

मुंबई घूमने आया भांजा गायब

भिवंडी: बिहार से ट्रक चालक मामा के साथ मुंबई घूमने आया भांजा भिवंडी के ७२ गाला स्थित दया पार्क की इमारत के पास से अचानक ट्रक से गायब हो गया। पुलिस के अनुसार, बिहार के बनोली का रहने वाला अनुराग पथक (१४) अपने ट्रक चालक मामा ब्रिजेंदर राय (४०) के साथ मुंबई घूमने आया था। भिवंडी ट्रक पहुंचने के बाद माल खाली कर वह दया पार्क इमारत के सामने रास्ते के किनारे ट्रक खड़ी करके ट्रक में सो गया था। सुबह उठने के बाद देखा, तो अनुराग ट्रक में नहीं है।

जोगेश्वरी में सिलिंडर फटा

मुंबई : जोगेश्वरी में एलपीजी सिलिंडर फटने से आग लग गई। मिली जानकारी के अनुसार, आग की चपेट में आकर तीन लोग झुलस गए, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में उपचार दिया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक प्रभावित लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई थी।

मनपा अस्पतालों में ४ नए डॉक्टरों की नियुक्ति

नवी मुंबई: मनपा अस्पतालों के लिए नियुक्त हुए चार नए डॉक्टरों से स्वास्थ्य सेवाएं पुनः बहाल हो गई हैं। नए नियुक्त डॉक्टरों में दो फिजिशन और दो प्रसव विशेषज्ञ डॉक्टर हैं। बीते शुक्रवार को मनपा आयुक्त ने डॉक्टरों से सीधी मुलाकात करते हुए नियुक्ति की। पिछले दिनों वाशी मनपा अस्पताल में एक मरीज की मौत से उपजे विवाद में मनपा प्रशासन ने सेवा में दोषी पाए गए दो डॉक्टरों को निलंबित कर दिया था। मनपा के इस कदम के विरोध में तीन अन्य डॉक्टरों ने अपना त्यागपत्र सौंप दिया था तथा कुछ और डॉक्टर छुट्टी पर चले गए थे। इसके चलते मनपा अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं अनियमित हो गईं थीं। पर अब चार नए डॉक्टरों की नियुक्ति से बहुत हद स्वास्थ्य सेवाएं समय से मिलने लगी हैं। मनपा अस्पतालों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए आवश्यक अभी कई और डॉक्टरों व अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति होनी है।

वसई के नए पुल में होल

वसई: वसई (पूर्व) से (पश्चिम) को जोड़ने वाले पुल पर मंगलवार दोपहर को एक होल हो गया। यह पुल नया है। इस तरह पुल पर होल होने से पुल की मजबूती पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। यहां से आने-जाने वालों का कहना है कि मुंबई में पुल हादसों से अधिकारियों ने सबक नहीं लिया है। इस होल की वजह से हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। होल की वजह से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस पुल के बगल में पुराना पुल है, जो जर्जर होने की वजह से बंद किया गया है।

विकास कार्यों को आचार संहिता की समाप्ति का इंतजार

नवी मुंबई : करीब ढाई महीने तक चली लोकसभा चुनावी आचार संहिता २८ मई को समाप्त हो जाएगी। इसके तुरंत, बाद नवी मुंबई मनपा के रुके हुए करीब २०० विकास कार्य शुरू कर दिए जाएंगे। इन सबके लिए पहले से ही आवश्यक मंजूरी दी जा चुकी है। आचार संहिता खत्म होते ही मनपा प्रशासन की तरफ से ठेकेदारों को कार्यादेश जारी कर दिया जाएगा। अनुमान के अनुसार, मनपा के सभी १११ प्रभागों में रुके पड़े लगभग २०० कार्यों पर ७०० से ८०० करोड़ रुपये खर्च होने हैं। ये काम शामिल: शहर में जो काम होने हैं, उनमें सड़कों का डांबरीकरण, शहर की स्ट्रीट लाइट को दुरुस्तीकरण, फुटपाथों की मरम्मत, नए (छोटे) पुलों का निर्माण, नए मार्केट का निर्माण, बस अड्डों की मरम्मत, मनपा अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए दवाओं व उपकरणों की खरीदारी, जल-मल निकासी से संबंधित मरम्मत कार्य आदि शामिल हैं। मॉनसून की चुनौती: मॉनसून आने में मात्र दो सप्ताह ही रह गए हैं। उम्मीद है कि आचार संहिता खत्म होने के एक-दो दिन बाद ही काम शुरू हो जाए। ऐसे में विभिन्न विकास कार्यों के लिए सिर्फ १०-१२ दिन बचेंगे। इतने कम समय में काम पूरा होना असंभव लग रहा है। बता दें कि नाला, नाली और गटर सफाई का काम अब लगभग समाप्त होने को है।

भाजपा की चुनावी समीक्षा में छाया रहा सूखा

मुंबई : लोकसभा चुनाव की समीक्षा करने के लिए भाजपा ने मंगलवार को दादर स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक बुलाई थी, लेकिन बैठक में राज्य का सूखा भारी पड़ा। जनप्रतिनिधियों से लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तक की जुबान पर सूखे की समस्या छाई रही। बैठक में इस पर भी चर्चा हुई कि लोकसभा चुनाव की जीत का जश्न मनाते वक्त कार्यकर्ता इस बात का ध्यान रखें कि सूखा पीड़ितों में कोई ईर्ष्याभाव पैदा न हो। पार्टी को उम्मीद है कि राज्य की ३८ से ४० लोकसभा सीटें जीत सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी के नेता, कार्यकर्ता सूखा पीड़ितों की मदद करें। यदि कहीं अधिकारी किसानों की मदद नहीं कर रहे, तो संबंधित मंत्री से इसकी शिकायत करें। राज्य के वित्तमंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने बताया कि बैठक में विधायकों ने सूखा राहत के लिए विधायक निधि खर्च करने की मांग की।

राहुल और प्रियंका गांधी की तारीफ–उद्धव ठाकरे

मुंबई : एग्जिट पोल के नतीजों से शिवसेना ने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार दोबारा सत्ता में आएगी। इसके साथ ही शिवसेना ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव में कड़ी मेहनत की। शिवसेना ने यह भी कहा कि नई लोकसभा में उनकी पार्टी को विपक्ष के नेता पद के लिए पर्याप्त सीटें मिल जाएंगी।

बता दें कि लोकसभा चुनाव के बाद अधिकतर एक्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के एक और कार्यकाल का पूर्वानुमान जताया गया है। पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में लिखा है, 'मोदी सरकार दोबारा चुनकर आएगी, ऐसा कहने के लिए अब राजनीतिक पंडितों की कोई आवश्यकता नहीं है। जमीनी हालत ऐसी थी कि लोग मोदी को सत्ता में लाने के लिए अपना मन बना चुके थे।'

'महाराष्ट्र में शिवसेना-बीजेपी गठबंधन ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा'

मराठी दैनिक ने दावा किया, 'महाराष्ट्र में शिवसेना-बीजेपी गठबंधन ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा।' इससे पहले एग्जिट पोल के नतीजों को देखते हुए शिवसेना ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा था कि कई छोटे दलों के समर्थन से रेंगने वाली गठबंधन सरकार देश हित में नहीं है। शिवसेना ने विपक्षी दलों का गठबंधन तैयार करने की टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की कोशिश को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह इधर से उधर भाग कर स्वयं को व्यर्थ ही थका रहे हैं, क्योंकि इस संभावित गठबंधन के २३ मई को चुनाव परिणाम आने के बाद टिके रहने की कोई गारंटी नहीं है।

'सामना' में छपे संपादकीय के मुताबिक, 'इस महागठबंधन में प्रधानमंत्री पद के कम से कम पांच उम्मीदवार हैं। मौजूदा सिग्नल के बाद उनका मोहभंग होने की आशंका दिखाई दे रही है। कई छोटे दलों की मदद से रेंगने वाली गठबंधन सरकार देशहित में नहीं है।' लोकसभा चुनाव के लिए मतदान रविवार को समाप्त हुआ था और अब २३ मई को काउंटिंग होगी।

बैरिकेड मुक्त हुई २६ किमी की सड़कें

मुंबई : शहर में सभी जगह मेट्रो के काम चल रहे हैं। ऐसे में मेट्रो निर्माण की साइट पर सुरक्षा के लिहाज से बैरिकेड लगाए गए हैं। मॉनसून के दौरान शहर में वाहनचालकों को ट्रैफिक जाम की परेशानी से न जूझना पड़े इसलिए एमएमआरडीए ने मेट्रो साइट से अब तक २६ किमी की सड़कों को बैरिकेड्स मुक्त किया है।

बता दें कि मॉनसून के दौरान सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ जाती है। एमएमआरडीए के अनुसार मेट्रो साइट पर जहां-जहां की नींव रखने का काम पूरा हो गया है वहां की सड़कों के बैरिकेड्स हटाए जा रहे हैं। ३५ किमी सड़कों पर लगे बैरिकेड्स में से २६ किमी की सड़कों से बैरिकेड्स हटा लिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक दहिसर (ईस्ट) और अंधेरी (ईस्ट) में मेट्रो का काम काफी तेजी से चल रहा है। एमएमआरडीए ने मेट्रो-७ के लिए ३५ किमी के इलाके को बैरिकेड्स किया है, जो कि अंधेरी ईस्ट से दहिसर ईस्ट और मेट्रो २ ए दहिसर से डीएन नगर के हिस्से में मेट्रो का काम चल रहा है। फिलहाल मॉनसून को देखते हुए ७५ प्रतिशत बैरिकेड्स को हटाने का काम पूरा हो गया है। अधिकारी ने बताया कि कुछ जगह ऐसी हैं, जहां पर लगे बैरिकेड्स हटाने से काम में परेशानी होगी। ये जगह वेस्टर्न एक्सप्रेस हाई-वे, मालाड का पुष्पा पार्क इलाका, कांदिवली-ईस्ट का अकुर्ली रोड, लिंक रोड लोखंडवाला और डीएन नगर के बैरिकेड्स नहीं हटाए जाएंगे। गौरतलब है कि एमएमआरडीए ने पहले ही बता दिया है कि वेस्टर्न एक्सप्रेस हाई-वे और लिंक रोड के बैरिकेड्स इस साल के अंत तक या फिर अप्रैल २०२० तक हटा दिए जाएंगे।

तबादले के नाम पर ठगे १८ लाख, केस दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र सरकार के एक अधिकारी को तबादला कराने और भूमि का एनओसी दिलाने का प्रलोभन देकर उनके साथ कथित तौर पर धोखाधड़ी करने के मामले में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने शिकायत के आधार पर बताया कि राज्य शहर योजना विभाग में काम करने वाले विद्यासागर चव्हाण के मुताबिक जब वह नवंबर २०१७ में मुख्य आरोपी से मिले थे, तो आरोपी ने उनसे प्रधानमंत्री कार्यालय और दिल्ली में नौकरशाहों से अच्छा संपर्क होने का दावा किया था। पुलिस के मुताबिक इसके बाद चव्हाण ने आरोपी से अपना तबादला मुंबई में राज्य सचिवालय से ठाणे के अंबरनाथ कराने को कहा था। आरोपी ने इसके लिए कथित तौर पर २८ लाख रुपये मांगे, लेकिन बाद में १८ लाख रुपये पर बात बनी।

चव्हाण ने दावा किया कि रुपये का भुगतान करने के बावजूद उनका तबादला नहीं किया गया। पिछले साल चव्हाण ने मुंबई के नजदीक हवाई अड्डे के निकट भूमि के एक टुकड़े के लिए एनओसी के लिए आरोपी से संपर्क किया था, जिसके लिए उसने कथित तौर पर एक करोड़ रुपये की मांग की थी।

प्रवक्ता ने बताया कि उसने दावा किया है आरोपी और उसके सहयोगी उसका काम हो जाने का भरोसा दिलाने के लिए उसे मार्च २०१८ में दिल्ली में एक मंत्री के कार्यालय ले गए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसने अपनी पत्नी के गहने बेचकर कुछ रुपये का भुगतान किया। पर, आरोपी और उसके सहयोगियों ने उसे जाली एनओसी दस्तावेज दिए। चव्हाण ने मंगलवार को यहां पुलिस से शिकायत की। इसके बाद मुख्य आरोपी धर्मेंद्र सिंह और उसके सहयोगियों रामचरण गौहर, महबूब शेख और मोहन झा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

पूर्व राकांपा मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने पार्टी छोड़ी, शिवसेना में होंगे शामिल

मुंबई : हाराष्ट्र के पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से इस्तीफा दे दिया और आज शाम को वह शिवसेना में शामिल हो जाएंगे। मराठवाड़ा

क्षेत्र के बीड जिले के रहने वाले क्षीरसागर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राकांपा नेतृत्व पर उन्हें नजरअंदाज करने और विधान परिषद में विपक्ष के नेता धनंजय मुंडे को अधिक महत्व देने का आरोप लगाते हुए असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, '' पार्टी में मुझे घुटन महसूस हो रही थी।'' क्षीरसागर ने कहा कि वह आज उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल हो जाएंगे।

गधे बुझा रहे दूरदराज इलाके में बसे आदिवासियों की प्यास

नासिक : महाराष्ट्र के कई इलाके भयानक सूखे के दौर से गुजर रहे हैं। नानदरबार जिले के दूरदराज की एक बस्ती तक पानी पहुंचाने का कोई तरीका नहीं सूझ रहा था। फिर प्रशासन ने अनोखी पहल के तहत १७ गधों की मदद से यहां पानी पहुंचाना शुरू कर दिया। कोइलीदाबार नाम की यह बस्ती सतपुड़ा पहाड़ के घने जंगली इलाके में स्थित है। यहां तक कोई सड़क नहीं जाती इसलिए यहां टैंकर के जरिए पानी पहुंचाना नामुमकिन था। दूसरी ओर इस कस्बे में रह रहे २५० आदिवासियों की बिना पानी के हालत खराब हो रही थी। पानी के स्थानीय स्रोत सूखने के बाद गर्भवती महिलाओं तक को पीने का पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही थी। जिला अधिकारी बालाजी मंजुले ने हमारे बताया कि इसके बाद गधों की मदद लेने का अनोखा विचार सामने आया। इस पर अमल किया गया और १९ मई से ये गधे ही २५० आदिवासियों की प्यास बुझा रहे हैं।

मंजुले का कहना था, 'ये आदिवासी जिन मुसीबतों का सामना कर रहे थे जिला प्रशासन उनसे आंख नहीं मूंद सकता था। इसलिए इन गधों की मदद से हर रोज एक हजार लीटर पानी दो फेरों में इस बस्ती में पहुंचाया जा रहा है। मॉनसून आने तक यह कोशिश जारी रहेगी।'

पहली बार गधों का इस्तेमाल

यह पहली बार है जब इस क्षेत्र में गधों का इस्तेमाल आदिवासियों की प्यास बुझाने में किया जा रहा है। आदिवासियों की समस्या की जानकारी होने पर पहले तो जिलाधिकारी ने हालात का जायजा लेने के लिए स्थनीय तहसीलदार पंकज लोखंडे को इस बस्ती में भेजा था। वहां से लौटकर लोखंडे ने बताया, 'यहां के चार में से तीन कुएं पूरी तरह सूख गए थे और चौथे में भी बहुत कम पानी रह गया था। इसलिए महिलाओं को पानी लाने के लिए बहुत दूरी तय करनी पड़ रही थी। हम कुओं की गहराई और बढ़ा रहे हैं लेकिन पथरीली जमीन होने की वजह से इसमें काफी समय लगेगा।' इसके बाद प्रशासन ने आदिवासियों की इसी बस्ती में रहने वाले दो भाइयों के गधों का इस्तेमाल करने का इरादा किया। जिला प्रशासन के सूत्रों का कहना है, 'ये दोनों भाई इन गधों पर अपना सामान लादते थे। लेकिन अब पानी लाने के लिए इन्हें हम स्थानीय ग्राम पंचायत के फंड से करीब २ लाख रुपये देंगे।'

इस तरह अब ये १७ गधे पानी के स्रोत से बस्ती तक तीन किलोमीटर की दुर्गम यात्रा दिन में दो बार करते हैं। हर जानवर के ऊपर पानी के दो बर्तन लदे होते हैं। वहीं नानदरबार जिले में पीने के पानी की सप्लाई करने वाला केवल एक टैंकर है। पानी की समस्या से जूझ रहे दूसरे इलाकों में जिला प्रशासन ने निजी कुओं और पानी के दूसरे स्रोतों को अधिग्रहित कर लिया है।

डोंबिवली पर बढ़ रहा है बोझ

मुंबई : ठाणे से कल्याण के बीच में एक स्टेशन ऐसा है, जिसका किरदार उपनगरीय सेवाओं के लिए हर लिहाज से महत्वपूर्ण है। शांत, सभ्य और सौम्य स्टेशन के रूप में पहचाने जाने वाले मध्य रेलवे के इस स्टेशन ने कभी अपनी मांगों को मंगवाने के लिए उग्र विरोध नहीं किया। लेकिन अब स्थितियां बदल रही हैं। आइए जानते हैं कितना तैयार है डोंबिवली स्टेशन। मुंबई से शिफ्ट करने वाले लोगों के लिए डोंबिवली चहेता बनता जा रहा है। खासतौर पर न्यू डोंबिवली बनने के बाद, इसका असर भी अब दिखने लगा है। २००७-०८ में इस स्टेशन पर प्रतिवर्ष ७.४ करोड़ यात्री थे, तो दस साल बाद २०१८-१९ में यह आंकड़ा ९.९ करोड़ का हो गया। मतलब दस सालों में यहां ३३ प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका दबाव रेलवे पर भी पड़ रहा है। पीक आवर्स में डोंबिवली स्टेशन से ट्रेन में चढ़ना-उतरना किसी जंग से कम नहीं है।

डोंबिवली स्टेशन पर तीन फुटओवर ब्रिज हुआ करते थे। इसमें से अब कल्याण छोर वाले एफओबी को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। सीएसएमटी छोर वाला ब्रिज तुलनात्मक रूप से कम इस्तेमाल होता है। ऐसे में बीच वाले एफओबी पर भीड़ बढ़ रही है। यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए यहां आरपीएफ के जवानों को तैनात करना पड़ रहा है। मॉनसून से पहले एक एफओबी बंद करने का बोझ डोंबिवली स्टेशन पर पड़ रहा है।

शाम के पीक आवर्स में कई बार प्लैटफॉर्म क्रमांक ३ से यात्री प्लैटफॉर्म क्रमांक १ पर स्लो ट्रेन पकड़ने के लिए शिफ्ट होते हैं। इस दौरान

मत्स्य व्यवसाय पर अध्ययन करेगी मनपा

मुंबई : कोस्टल रोड से मत्स्य व्यवसाय और मछुआरों के उदर-निर्वाह के साधनों पर क्या परिणाम होगा? इसका अध्ययन अब मनपा करेगी। इस अध्ययन पर करीब ४१ लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

बता दें कि मुंबई की यातायात समस्या को सुलझाने के लिए शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने कोस्टल रोड की संकल्पना की थी। इस संकल्पना को मनपा साकार करने जा रही है। २९ किमी कोस्टल रोड परियोजना के पहले चरण में मनपा ९.९८ किमी कोस्टल रोड बनानेवाली है। इस कार्य का शुभारंभ भी हो चुका है। इस परियोजना को एनओसी देते समय राज्य सरकार ने शर्त रखी थी, जिसके तहत यदि कोस्टल रोड के कारण मछुआरों के मत्स्य व्यवसाय पर कोई दुष्परिणाम होता है तो उनकी नुकसान भरपाई करना अनिवार्य किया गया था। इसी को मुद्दा बनाकर कुछ मछुआरे उच्च न्यायालय पहुंचे थे। इसको देखते हुए अब मनपा इसके अध्ययन में जुट गई है। भारतीय कृषि संशोधन परिषद, केंद्रीय सागरी मत्स्य संशोधन संस्था की मदद से मनपा उक्त अध्ययन करेगी। इस आशय का प्रस्ताव आगामी स्थायी समिति की बैठक में मंजूरी के लिए लाया जाएगा।

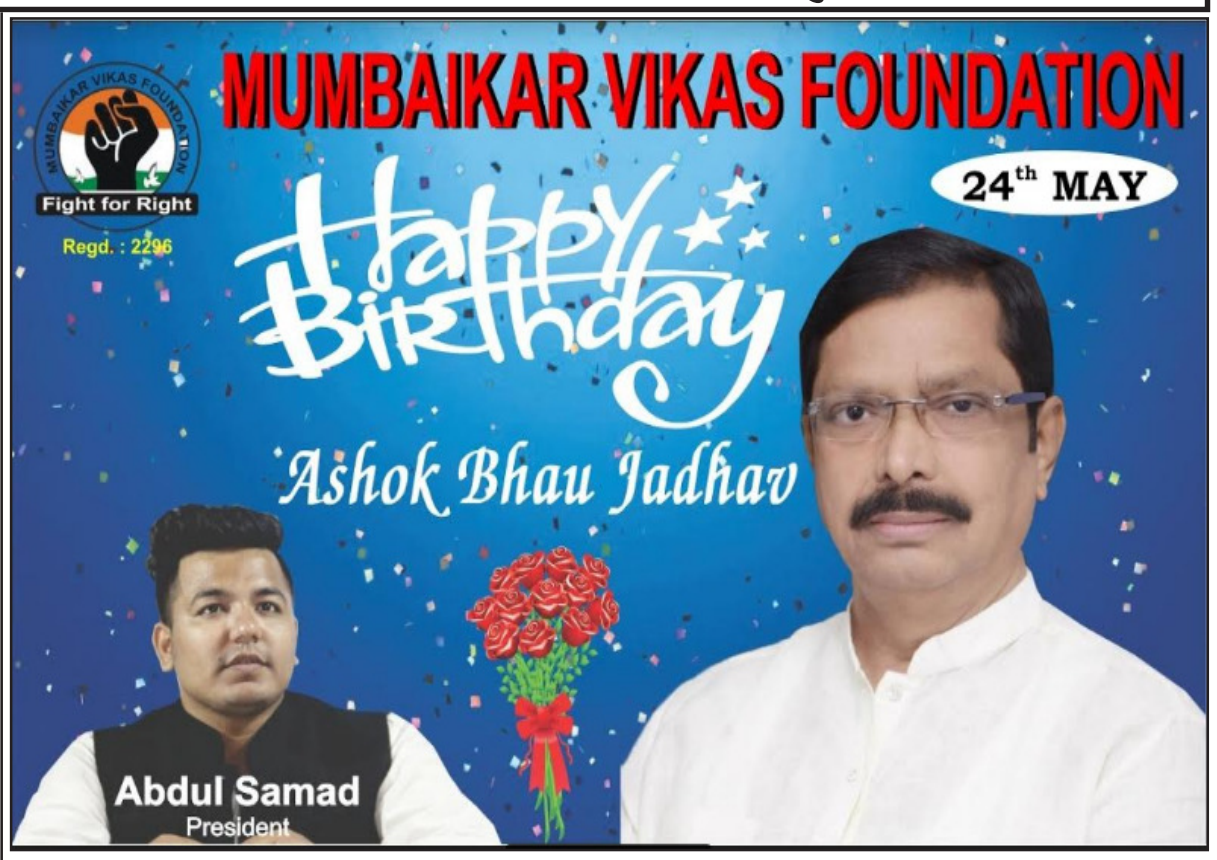

विदेशी छात्रा के साथ मुंबई में रेप

मुंबई : कफ परेड पुलिस ने ब्राजील की १९ साल की एक छात्रा के साथ रेप के आरोप में ५२ साल के पदमाकर नांदेकर नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पदमाकर कफ परेड रेजिडेंट्स असोसिएशन के अध्यक्ष हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि लड़की के साथ रेप १५ अप्रैल को हुआ लेकिन लड़की की तरफ से सवा महीने बाद सोमवार को ही पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई गई। इसी के बाद पदमाकर को मंगलवार शाम को पुलिस ने

पूछताछ के लिए बुलाया और फिर देर रात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि लड़की करीब छह महीने पहले यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत मुंबई आई थी और पदमाकर के साथ रही थी। बाद में वह पश्चिम उपनगर में किसी और परिवार के साथ पेइंग गेस्ट के तहत रहने चली गई थी।

आरोप है कि १५ अप्रैल को पदमाकर ने लड़की को फाइव स्टार होटल में डिनर के बहाने बुलाया। वहां उसकी ड्रिंक में कुछ नींद की गोलियां डाली गईं। लड़की जब बेहोश हो गई, तो उसके साथ रेप किया गया। लड़की का कहना है कि अगले दिन जब सुबह उसे होश आया, तो उसने खुद को उसी होटल के कमरे में पाया, जहां पदमाकर ने उसे डिनर के लिए बुलाया था। लड़की इतनी डर चुकी थी कि उसने करीब सवा महीने तक यह बात छिपा कर रखी। बाद में उसने उस पश्चिम उपनगर के उस परिवार को जहां वह शिफ्ट हुई थी, दो दिन पहले यह बात बताई। उसी परिवार की सलाह पर लड़की सोमवार को कफ परेड पुलिस के अधिकारियों से मिली। इसी के बाद मंगलवार को पदमाकर नांदेकर की गिरफ्तारी संभव हुई।

नाला सफाई का घोटाला उजागर

१,०७५ रुपए के बजाए मजदूर को मिलता है ४००

भाइंदर : मॉनसून आने से पहले शहर के नालों की सफाई का काम तेजी से चल रहा है। हालांकि इस वर्ष नालों की सफाई का काम देर से शुरू हुआ है। सफाई कार्य के लिए मनपा ने लगभग तीन करोड़ का आर्थिक बजट पास किया है। इसके बावजूद मजदूर को न तो उसके निर्धारित मजदूरी मिल रही है, न ही उनको सुरक्षा के उपकरण।

ज्ञात हो कि मीरा-भाइंदर में कुल १५५ छोटे-बड़े नाले हैं। अक्सर अप्रैल महीने से ही नालों की सफाई कार्य शुरू किया जाता है लेकिन इस वर्ष सफाई का काम लगभग तीन सप्ताह देरी से शुरू किया गया है। नालों की सफाई के लिए मनपा ने ३ करोड़ रुपए का बजट मंजूर किया है। मनपा द्वारा प्रतिदिन प्रति मजदूर १,०७५ रुपए की दर से

भुगतान करना निश्चित किया गया है।

मीरा-भाइंदर मनपा ने सफाई के लिए १,०७५ रुपए प्रति मजदूर प्रतिदिन निर्धारित किया है लेकिन सफाई का ठेका लेनेवाली कंपनी मजदूरों को मात्र प्रतिदिन प्रति पुरुष मजदूर ४०० रुपए और महिला मजदूर को ३०० रुपए का भुगतान करती है।

नाला सफाई का काम करनेवाले सफाईकर्मियों के पास सुरक्षा का कोई सामान उपलब्ध नहीं है। हाल ही में भाइंदर, नालासोपारा में सुरक्षा कवच के बगैर सेफ्टी टैंक की सफाई करने उतरे कई मजदूरों की जानें चली गई थी। ऐसी घटनाओं के बावजूद इन मजदूरों से काम करवानेवाली कंपनी ने कोई सीख नहीं ली है। सफाईकर्मी गमबूट, मास्क, दस्ताने जैसे उपयोगी सामान के बगैर जोखिम में जान डालकर सफाई कार्य कर रहे हैं। नाला सफाई के उपयोग में आनेवाले अलग-अलग उपकरणों जैसे जेसीबी, पोकलेन, वोट सह पोकलेन इत्यादि का भुगतान मनपा २,०५० रुपए से लेकर ३०,००० रुपए प्रति घंटा/ प्रति शिफ्ट के हिसाब से कर रही है लेकिन किन उपकरणों का कितने घंटे या कितनी शिफ्ट में उपयोग हुआ, इसकी सत्यता की जांच कैसे हो पाएगी? यह सवाल पैदा होता है। इस मामले में मनपा आयुक्त बालाजी खतगावकर का कहना है कि हम ठेकेदार को भुगतान के समय लॉग बुक की एंट्री, हर वॉर्ड में इनकी निगरानी करनेवाली टीम के रिपोर्ट की जांच कर भुगतान करेंगे।

मुंबईकर की मुसीबत बनी ह्यूमिडिटी, एलर्जी के मरीजों को हो रही समस्या

मुंबई : ह्यूमिडिटी (आर्द्रता) में हो रही बढ़ोतरी से मुंबईकर भीषण गर्मी और उमस का सामना कर रहे हैं। आलम यह है कि घर के अंदर हो या बाहर उमस के कारण हर कोई परेशान है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले कुछ दिनों तक स्थिति इसी तरह बनी रहने की उम्मीद है। नतीजतन मुंबईकर को राहत मिलती नहीं दिख रही है। बता दें कि रविवार को ह्यूमिडिटी का स्तर ९८ प्रतिशत तक पहुंच गया था।

मौसम विभाग से जुड़े लोगों के अनुसार, मई में ह्यूमिडिटी में बढ़ोतरी होती है, लेकिन यह ९८ प्रतिशत तक पहुंच जाए, ऐसा कम होता है। समुद्र से सटे होने के कारण मुंबई में आसपास के इलाकों की तुलना में अधिक ह्यूमिडिटी रहती है। शहर के डॉक्टरों ने बताया कि ह्यूमिडिटी में बढ़ोतरी से सांस की समस्या से परेशान मरीजों से लेकर त्वचा की दिक्कत से जूझने वाले मरीजों के लिए परेशानियां खड़ी हो जाती हैं। ऐसे मरीजों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

फिलहाल मुंबई का तापमान ३४ डिग्री सेल्सियस के आसपास बना है, लेकिन ह्यूमिडिटी में रोज बदलाव हो रहा है। रविवार को मुंबई शहर में ह्यूमिडिटी जहां ९८ प्रतिशत रही, वहीं सोमवार को थोड़ी गिरावट के साथ ९० प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि इसके बाद भी लोगों में उमस और गर्मी से कोई राहत नहीं मिली। पश्चिम भारत के उपमहानिदेशक के.एस. होसालिकर ने कहा कि फिलहाल ह्यूमिडिटी के स्तर में गिरावट की कोई उम्मीद नहीं है।

मुंबई में उत्तर-पश्चिम हवाएं चल रही हैं, जिनसे बहुत अधिक नमी शहर की तरफ आ रही है और इससे ह्यूमिडिटी बढ़ रही है।

संक्रमण रोग विशेषज्ञ ओम श्रीवास्तव ने बताया कि ह्यूमिडिटी बढ़ने से प्रदूषण के बेहद बारीक कण हवा में घुल जाते हैं। जो सांस लेने में परेशानी करते हैं और ऐसे मरीज जिन्हें किसी भी तरह की एलर्जी हो, उन्हें सबसे अधिक समस्या होती है। बचाव के मद्देनजर एलर्जी से परेशान लोगों को घर से बाहर निकलते वक्त मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। चेस्ट फिजिशन डॉ. सलिल बेंद्रे ने बताया कि इलाज के लिए उनकी ओपीडी में आने वाले ज्यादातर मरीज एलर्जी की समस्या से परेशान हैं।

जोगेश्वरी में सिलिंडर ब्लास्ट, १४ जख्मी

मुंबई : मुंबई में आग लगने की घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं।

ताजा घटना मुंबई के जोगेश्वरी इलाके में घटी, जहां रसोई गैस सिलिंडर में ब्लास्ट के चलते लगी आग में १४ लोग जख्मी हो गए। बता दें कि जोगेश्वरी (प.) के बेहरामबाग इलाके में स्थित हनुमान चाल में यह घटना कल रात पौने १० बजे के करीब घटी। घटना में १४ लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है।

इनमें से ५ लोगों को जोगेश्वरी के ट्रॉमा केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य पांच को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। खबर लिखे जाने तक राहत व बचाव कार्य जारी था।

प्रभाग समितियों पर युति का परचम

भाइंदर : मीरा-भाइंदर मनपा के सभी ६ प्रभाग समितियों के सभापति पद पर शिवसेना-भाजपा युति के सदस्य निर्वाचित हुए। मंगलवार को कोकण विभाग के अतिरिक्त आयुक्त राजेंद्र क्षीरसागर के नेतृत्व में यह चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। प्रभाग समिति सभापति पद के लिए हुए इस चुनाव में प्रभाग समिति-१ के सभापति पद पर विनोद काशीनाथ म्हात्रे (भाजपा), प्रभाग-२ दिपाली आनंदराव मोकाशी (भाजपा), प्रभाग-३ गणेश गजानन भोईर (भाजपा), प्रभाग-४ तारा विनायक घरत (शिवसेना), प्रभाग-५ मनोज रामनारायन दुबे (भाजपा), प्रभाग-६ वीणा सूर्यकांत भोईर (भाजपा) निर्वाचित हुई। प्रभाग-१ से ४ के सभी सभापति का चयन निर्विरोध हुआ। वहीं प्रभाग-५ से कांग्रेस की अहमद साराह अकरम और प्रभाग-६ से कांग्रेस के ही राजीव मेहरा ने भी नामांकन भरा था। इन दोनों प्रभागों में भी शिवसेना-भाजपा के सदस्यों की संख्या अधिक होने के कारण इन दोनों को पराजय का मुंह देखना पड़ा।

ज्ञात हो कि सभी ६ प्रभाग समितियों के सभापतियों का कार्यकाल ३१ मार्च को समाप्त हो गया था।

Marriage Ground
Available at
MIRA ROAD (E) | JOGESHWARI (W)
For booking contact us :
Chauhan Caterers & Decorator
Mob. 9987998710 / 9004433228

मॉडल, कलाकार, हेल्पर की जरूरत है
CINE, T. V. ARTISTS AND WORKERS ASSOCIATION (REGD.)

अच्छे मियाँ
कार्ड भी बनाकर दिया जाएगा... कार्ड की कीमत २५००/-
(Regd. No. A.L.C. -17-10174 Under Trade Union Act, 1926 With Government of Maharashtra)
Heena Arcade,Shop No16, S. V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai-102
Tel. : 022-66989738 - 9220541108/ 08433238738

New Huma Caterers ®
Jogeshwari
★ We Have No Branch ★
Mohd. Salim
9820710325 / 9967865102
9867868339 / 26790046
: Address :
Shop No. 1, Old Ghaswala Stable, Next to Syndicate Bank, S.V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai - 400 102.
Web.: www.newhumacaterers.com
E-mail : newhumacaterers@gmail.com

Famida : 093727 98694 | Amin : 098206 25502

WELL FOCUS
Present
WELL FOCUS KIDS
Efficient, Effective, Convenient
For Play Group & Nursery
Shop No. 11, Ruby Tower, Sahakar Road, Off S. V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai - 400 102.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - असगर अमीन शाह द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 3-4 अमीन इंड. इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, जवाहर नगर फाटक ब्रिज के पास, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063 से मुद्रित कर रुम नं. जी-16, अमीन पारसी चाल, एस. वी. रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), मुंबई-400102 से प्रकाशित संपादक-असगर अमीन शाह